संत अलॉयसियस स्वशासी महाविद्यालय, जबलपुर (म.प्र.)

कक्षा	बी.ए. प्रथम वर्ष	
सत्र	2020–2021	
विषय	प्रयोजनमूलक हिंदी	
प्रश्न–पत्र	प्रथम	
प्रश्न–पत्र का शीर्षक	राजभाषा एवं कार्यालयीन हिन्दी	
अनिवार्य / वैकल्पिक	वैकल्पिक	
अधिकतम अंक	सैध्दांतिक मूल्यांकन	आंतरिक मूल्यांकन
50	40	10

उद्देश्य (Objective) – हिंदी भाषा की संवैधानिक स्थिति और तद्नुरुप केंद्र सरकार के विभिन्न कार्यालयों में हिंदी भाषा के प्रयोग की व्यावहारिक स्थिति का ज्ञान।

अधिगम (Course Out Come)

1. हिंदी की विभिन्न क्षेत्रों में उपयोगिता का ज्ञान
2. हिंदी के संदर्भ में संवैधानिक प्रावधानों का ज्ञान
3. हिंदी भाषा में कार्यालयी कार्यविधि में निपुणता
4. उपर्युक्त आधार पर रोजगार के अवसर

पाठ्यक्रम विवरण

प्रथम इकाई	प्रयोजनमूलक हिन्दी का आशय, स्वरूप एवं विशेषताएँ, प्रयोजनमूलक हिन्दी का क्षेत्र एवं उपयोगिता।
द्वितीय इकाई	राजभाषा का संवैधानिक स्वरूप, अनुच्छेद 343 से 351 तक राजभाषा के अनुच्छेद 343 की विषेश व्याख्या, राजभाषा आयोग एवं उसके कार्य।
तृतीय इकाई	राजभाषा अधिनियम 1960,1963,1967,राजभाषा संकल्प की विशेषताएँ। गृहमंत्रालय द्वारा राजभाषा के प्रचार–प्रसार के लिये निर्मित 1976 का नियम एवं उसका कार्यान्वयन।
चतुर्थ इकाई	शासकीय कार्यालयों एवं विभागों में राजभाषा का कार्यान्वयन रेल, बैंक एवं विधि क्षेत्र में राजभाषा के प्रयोग
पंचम इकाई	शासकीय पत्रों में राजभाषा हिन्दी का प्रयोग एवं प्रारूप 1.टिप्पण 2.

	अधिसूचना 3. आदेश 4.अनुस्मारक 5. प्रारूपण 6. परिपत्र 7. पृष्ठांकन

सहायक पुस्तकें–

1. प्रयोजन मूलक हिंदी – विनोद गोदरे
2. राजभाषा हिंदी – भोलानाथ तिवारी
3. प्रयोजन मूलक हिंदी – मुश्ताक अली
4. हैलो मीडिया – डॉ. आभा मिश्रा
5. सम्पूर्ण पत्रकारिता – अर्जुन तिवारी
6. प्रयोजन मूलक हिंदी – कैलाश चंद्र भारिया
7. प्रयोजन मूलक हिंदी – दंगल झालटे
8. प्रयोजन मूलक हिंदी का स्वरुप – महाले
9. शासकीय पत्र लेखन – ओमप्रकाश सिंहल
10. कार्यालयीन हिंदी – हरिबाबू बंसल
11. प्रारुपण, टिप्पण एवं प्रूफ पठन – भोलानाथ तिवारी
12. प्रयोजन मूलक हिंदी – डॉ. पुरुषोत्तम बाजपेई
13. अनुवाद चिंतन – डॉ. एस.एन. शर्मा
14. हिंदी पत्रकारिता स्वरुप एवं सन्दर्भ – विनोद गोदरे
15. व्यावसायिक हिंदी – पुष्कर सिंह
16. प्रयोजन मूलक हिंदी – डॉ. रमेश तरुण

अंक विभाजनः–

नियमित–40

1. 5×6= 30 – दीर्घ उत्तरीय
2. 2×2.5= 05 – लघु उत्तरीय
3. 5×1= 05 – वस्तुनिष्ठ

आंतरिक मूल्यांकन – अंक विभाजन

तिमाही 05 अंक, छैमाही 05 अंक